श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।

बी0ए0 हिन्दी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम (वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से प्रभावी)

(पाठ्यक्रम निर्माण समिति)

1. डॉ0 अल्पना जोशी (संयोजक)
   प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
   (पं0ल0मो0श0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश कैम्पस कालेज)
   श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।
2. डॉ0 नंद किशोर ढौंढियाल (सदस्य)
   प्रोफेसर–हिन्दी विभाग
   (पं0ल0मो0श0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश कैम्पस कालेज)
   श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।
3. डॉ0 मुक्तिनाथ यादव (सदस्य)
   प्रोफेसर–हिन्दी विभाग
   (पं0ल0मो0श0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ऋषिकेश कैम्पस कालेज)
   श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।
4. डॉ0 मृदुला जुगरान (बाह्य विषय विशेषज्ञ)
   प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
   हे0नं0ब0 केन्द्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर ,गढ़वाल

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ राज्य विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।

बी0ए0 हिन्दी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम (वार्षिक प्रणाली के अंतर्गत)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से प्रभावी)

पाठ्यक्रम की संरचना

बी0ए0 हिन्दी(प्रथम वर्ष)

क्रम सं0	प्रश्न पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय
01	प्रथमः हिन्दी भाषा एवं साहित्य	100	03 घंटा
02	द्वितीयः काव्यांग एवं हिन्दी कविता	100	03 घंटा

बी0ए0 हिन्दी(द्वितीय वर्ष)

क्रम सं0	प्रश्न पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय
01	प्रथमःगद्य एवं नाट्य साहित्य	100	03 घंटा
02	द्वितीय– आधुनिक हिन्दी कविता	100	03 घंटा

बी0ए0 हिन्दी(तृतीय वर्ष)

क्रम सं0	प्रश्न पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय
01	प्रथमः प्रयोजनमूलक हिन्दी	100	03 घंटा
02	द्वितीयः जनपदीय भाषा साहित्य अथवा उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य	100	03 घंटा

बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

इकाई 01

- हिन्दी शब्द का आशय एवं प्रयोग
- हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास , हिन्दी की प्रमुख बोलियां
- भाषा के विविध रूप– बोली, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, मानक भाषा आदि।

इकाई 02

- देवनागरी लिपि का नामकरण
- देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास
- देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण ,देवनागरी लिपि के गुण और दोष

इकाई 03

- साहित्य शब्द की व्युत्पत्ति ,अर्थ एवं स्वरूप, काव्य के रूप– प्रबन्ध, मुक्तक
- हिन्दी गद्य की विविध विधाएं : (सामान्य परिचय एव उनके तत्व)
  उपन्यास, कहानी, निबन्ध
- नाटक, एकांकी, नाटक और एकांकी में अंतर

इकाई 04

- रेखाचित्र, संस्मरण,
- आत्मकथा, डायरी, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत, जीवनी , साक्षात्कार।

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न, प्रत्येक 06 अंक)

तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्नः60 अंक (छह में से तीन प्रश्न, प्रत्येक 20अंक)

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी भाषा– हरदेव बाहरी
4. लिपि की कहानी– गुणाकर मूले
5. हिन्दी भाषा अतीत से आजतक– विजय अग्रवाल
6. साहित्य सहचर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
8. काव्य के रूप – बाबू गुलाब राय
9. साहित्य और समीक्षा– बाबू गुलाब राय
10. साहित्य विधाएं – शशिभूषण सिंघल

बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र

काव्यांग एवं हिन्दी कविता (आदिकाल से रीति काल)

इकाई 01

- रस परिचय , रस के अंग व भेद , अलंकार परिचय, शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक,श्लेष
- अर्थालंकार– उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा
- छंद परिचय, मात्रिक छंद– दोहा, सोरठा, चौपाई, हरिगीतिका, कुंडलिया,
- शब्द शक्ति– अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

इकाई 02

पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) प्रारंभ के पांच पद

अमीर खुसरो – जेहाल मिस्कीं मकुन तगाफुल....., खुसरो दरिया प्रेम का, खुसरो रैन सुहाग की।

इकाई 03. कबीर ग्रंथावली – सं0 रामकिशोर वर्मा – गुरूदेव को अंग– दोहा सं0 03,06,08 सुमिरण को अंग 09, 23 विरह को अंग 01,03,06 परचा को अंग 03,04,07

जायसी– पद्मावत (मानसरोदक खण्ड)

सूरदास – भ्रमरगीत सार (सं0 रामचंद्र शुक्ल) पद सं0 06,07,13,23,25

तुलसीदास– कवितावली – 01– अवधेश के द्वारे सकारे गई..... 02. कबहूं शशि मांगत..... 03.

पुरते निकसी रघुवीर वधु .....04.बालधी विसाल विकराल..... 05. खेती न किसान .....।

इकाई 04

बिहारी – बिहारी रत्नाकर (सं0) जगन्नाथ दास रत्नाकर दोहा सं0 01, 03, 05, 13,22,32

भूषण – 01. इन्द्र जिमि जम्भ पर ....02 साजि चतुरंग सेन...03. ऊंचे घोर मंदर के अंदर

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न प्रत्येक 06 अंक)

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 40 अंक (चार में से दो प्रश्न, प्रत्येक 20 अंक)

दो व्याख्या 20 अंक(चार में से दो व्याख्या ,प्रत्येक 10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्यांग परिचय – मानवेन्द्र पाठक
2. काव्य के तत्व– देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. शब्द शक्ति,रस एवं अलंकार – तारा चंद्र शर्मा
4. त्रिवेणी–आ0 रामचन्द्र शुक्ल,नागरी प्रचारिणी सभा,काशी।
5. 5. पृथ्वीराज रासो – डॉ0 नामवर सिंह

6. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी.

7.हिन्दी साहित्य का अतीत ˙ (भाग1. 2.) आ0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

8.मध्यकालीन बोध का स्वरूप– डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

9.जायसी:एक नयी दृष्टि– डॉ0 रघुवंश

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र

गद्य एवं नाट्य साहित्य

इकाई 01 उपन्यास–त्यागपत्र– जैनेन्द्र

कहानी संग्रह– ग्यारह कहानियाँ,सं0–प्रो0 हरिमोहन

इकाई 02 हिन्दी निबंध एवं स्फुट गद्य विधाएं (सं0 आशा जुगरान)

- साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है– बालकृष्ण भट्ट
- क्रोध – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर और गांधी – पीतांबर दत्त बड़थ्वाल
- आम फिर बौरा गये – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- निंदा रस– हरिशंकर परसाई
- **रेखाचित्र** –लछमा – महादेवी वर्मा
- **यात्रासंस्मरण**– सुनहरे त्रिकोण में तेरह दिन – हरिमोहन

इकाई 03. नाटक – ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई 04 चार एकांकी – सं0 देव सिंह पोखरिया

दीपदान, सूखी डाली, बसंत ऋतु का नाटक और ऊसर

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न प्रत्येक 06 अंक)

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 40 अंक (चार में से दो प्रश्न, प्रत्येक 20 अंक)

दो व्याख्या 20 अंक(चार में से दो व्याख्या ,प्रत्येक 10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ

1.उपन्यासकार जैनेन्द्रःमूल्यांकन और मूल्यांकन–डॉ मनमोहन सहगल

2.जैनेन्द्र के उपन्यास :मर्म की तलाश, चंद्रकांत वांदिवडेकर

3.कहानी,नई कहानी–डॉ नामवर सिंह

4.हिन्दी कहानीःपहचान और परख– डॉ इन्द्रनाथ मदान

5 हिन्दी कहानी का तीसरा आयाम– डॉ बटरोही

6.उपन्यास का पुनर्जन्म–डॉ परमानन्द श्रीवास्तव

7.हिंदी नाटक – बच्चन सिंह

8. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन

9. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा

10. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी

11. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ0 नर्वदेश्वर राय

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी कविता

इकाई 01.आधुनिक हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास

इकाई 02. सरोज स्मृति – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 03. आंसू के अंश, कामायनी–लज्जा सर्ग –जयशंकर प्रसाद

नौका विहार, प्रथम रश्मि, परिवर्तन–सुमित्रानंदन पंत

चन्द्रकुंवर बर्तवाल– मेघनंदिनी, हेमंतप्रात, कालनागिनी, जीतू, काफल पाक्कू

इकाई 04.यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की ,नदी के द्वीप, सांप–अज्ञेय

टिहरी वर्णन, फिरंगी वर्णन से दस छंद – गुमानी

वीरों का कैसा हो बसंत, झांसी की रानी – सुभद्राकुमारी चौहान

अंतर्देशीय , पेड की आजादी – लीलाघर जगूड़ी

पाठ्यपुस्तक : अर्वाचीन हिन्दी काव्य (सं0 डॉ0 मृदुला जुगरान, हे0न0ब0ग0वि0वि0 प्रकाशन)

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न प्रत्येक 06 अंक)

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 40 अंक (चार में से दो प्रश्न, प्रत्येक 20 अंक)

दो व्याख्या 20 अंक(चार में से दो व्याख्या ,प्रत्येक 10 अंक)

सन्दर्भ ग्रंथ

1. छायावाद– नामवर सिंह
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप द्विवेदी
3. हिन्दी के आधुनिक कवि–द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. समकालीन हिन्दी कविता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

बी0ए0 तृतीय वर्ष

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र

प्रश्न पत्र–1 प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 01 प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय।

कामकाजी हिन्दी के विविध रूप, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, बोलचाल की हिन्दी , मानक हिन्दी , साहित्यिक हिन्दी , संविधान में हिन्दी।

इकाई 02 पत्राचार–कार्यालयी पत्र, व्यवसायिक पत्र। संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण।

भाषा कम्प्यूटिंग– वर्ड प्रोसेसिंग,डाटा प्रोसेसिंग और फांट प्रबंधन।
पत्रकारिता–पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार– लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण पृष्ठविन्यास।

इकाई 03 संपादनकला– प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रोनिक मीडिया, फीचर लेखन, पृष्ठसज्जा एवं

प्रस्तुतीकरण।

इकाई 04 मीडिया लेखन– संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार व्यवस्था।

प्रमुख जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टी0वी0 ,फिल्म, वीडियो तथा इन्टरनेट।
माध्यमोपयोगी लेखन–प्रविधि।
अनुवाद– स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, विधिक अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली, आशु अनुवाद।

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न, प्रत्येक 06 अंक)

तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्नः60 अंक (छह में से तीन प्रश्न, प्रत्येक 20अंक)

संन्दर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी कार्मिक प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. शंकर 'क्षेम' एवं डॉ. कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो बरेली,
2. 2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली,
3. 3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,

4 प्रयोगात्मक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली,

5 प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफपठन, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,

6. कामकाजी हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, दिल्ली,

7. कम्प्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,
8. कम्प्यूटर के प्रोगाम तथा सिद्धान्त, डॉ. जोखनसिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, रविन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल–3,
9. पर्सनल कम्प्यूटर, संतोष चौबे, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल,
10. समाचार, फीचर–लेखन एवं सम्पादन कला प्रूफपठन, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन कला प्रूफपठन, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन,, नई दिल्ली–2,
11. हिन्दी पत्रकारिताएं की दिशाएं, जोगेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र कुमार एण्ड संज, 30/21ए–गली नं. 9 विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली–32,
12. सूचना प्रौद्योगिकी और माध्यम, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन,, नई दिल्ली,

बी0ए0 तृतीय वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र

जनपदीय भाषा साहित्य

विकल्प–अ

पाठ्यविषय–

इकाई 01– गढ़वाली तथा कुमाउँनी का उद्‌भव और विकास।

इकाई 02– गढ़वाली तथा कुमाउँनी में रचित शिष्ट साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई 03 (क)–गढ़वाली रचनाकार–

1. तारादत्त गैरोला– सदेई गीत, 2. तोताकृष्ण गैरोला– प्रेमी पथिक –पूर्वार्द्ध के केवल 24 छंद, 3. जीवानन्द श्रीयाल–डाली माटी, जागृति, 4. अबोधबंधु बहुगुणा–भूम्याल (औल)।

(ख) कुमाउँनी रचनाकार–

1. गौर्दा, 2. शेरदा 'अनपढ़', 3. चारूचन्द्र पाण्डेय, 4. देवकी महरा

इकाई 04 1. डॉ. महावीर प्रसाद गैरोला– 'कपाल की छमोट' से दो कविताएं, 2. मोहनलाल नेगी की कहानी–न्यौं निवास, 3. गिरदा की रचना– उत्तराखण्ड काव्य के 15 छंद 4. चन्द्रलाल वर्मा 'चौधरी'– 'प्यास' की भूमिका।
संग्रह का सम्पादन– डॉ. शेरसिंह बिष्ट तथा डॉ. सुरेन्द्र जोशी
संग्रह का नाम– जनपदीय भाषा–साहित्य, अंकित प्रकाशन।

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न प्रत्येक 06 अंक)

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 40 अंक (चार में से दो प्रश्न, प्रत्येक 20 अंक)

दो व्याख्या 20 अंक(चार में से दो व्याख्या ,प्रत्येक 10 अंक)

संदर्भग्रंथ–

1. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य, डॉ. हरिदत्त भट्ट, शेलेन्द्र, हिन्दी समिति, उ.प्र. शासन, लखनऊ
2. 2. मध्य पहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोविन्द चातक, नई दिल्ली,
3. . गढ़वाल में हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास, डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर,
4. कुमाउँनी भाषा और उसका साहित्य, डॉ. त्रिलोचन पाण्डे, हिन्दी समिति, उ.प्र. शासन, लखनऊ,
5. कुमाउँनी भाषा और संस्कृति, डॉ. केशवदत्त रूवाली, ग्रंथायन, अलीगढ़,
6. कुमाऊंनी भाषा, साहित्य और संस्कृति, डॉ. देवसिंह पोखरिया, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो अल्मोड़ा,
7. हिन्दी साहित्य को कूर्मांचल की देन, डॉ. भगतसिंह, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
8. उत्तराखण्ड की संत परम्परा, डॉ. गिरिराज शाह, उत्तराखण्ड शोध संस्थान कुरीस रोड़, अलीगंज, लखनऊ।

बी0ए0 तृतीय वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र

उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य

विकल्प –ब

इकाई 01. उपन्यास– जहाज का पंछी (छात्र संस्करण) इलाचन्द जोशी, लोकभारती प्रकाशन, 15–ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

इकाई 02. नाटक–बाँसुरी बजती रही, गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762 अंसारी रोड़, नई दिल्ली–2।

इकाई 03 . प्रबंधकाव्य–अग्निसागर, डॉ. श्यामसिंह 'शशि', किताबघर प्रकाशन, 24 अंसारी रोड़, नई दिल्ली–2।
यात्रावृत्तांत– पत्थर और पानी, नेत्रसिंह रावत, संभावना प्रकाशन, रेलवे रोड़ हापुड़।

इकाई 04 रचनाकार–1.1 कहानी–हरिदत्त भट्ट 'शैलेश' सुभाष पंत सुरेश उनियाल, धीरेन्द्र अस्थाना। 1–1 कविता–रत्नांबर दत्त चंदोला, पार्थसारथि डबराल, चारूचन्द्र चंदोला, मंगलेश डबराल। 1–1 निबंध–डॉ. शिवानन्द नौटियाल, यमुनादत्त वैष्णव 'अशोक'।
पाठ्यपुस्तक उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य (सं0 डॉ0 मंजुला राणा, अंकित प्रकाशन)

अंक–विभाजन

दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नः 10 अंक (प्रत्येक 01 अंक)

पांच लघुउत्तरीय प्रश्नः 30 अंक (सात में से पांच प्रश्न प्रत्येक 06 अंक)

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नः 40 अंक (चार में से दो प्रश्न, प्रत्येक 20 अंक)

दो व्याख्या 20 अंक(चार में से दो व्याख्या ,प्रत्येक 10 अंक)

संदर्भ ग्रंथ–

1 गढवाली भाषा और उसका साहित्य, डॉ. हरिदत्त भट्ट शैलेन्द्र, हिन्दी समिति, उ.प्र. शासन, लखनऊ,
2.मध्य पहाड़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोविन्द चातक, नई दिल्ली,
3. हिन्दी साहित्य को कूर्मांचल की देन, डॉ0 भगतसिंह, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4.कुमाऊनी भाषा और साहित्य , डॉ0 त्रिलोचन पाण्डेय
1. हिन्दी साहित्य को कूर्मांचल की देन , डॉ0 भगत सिंह